शिक्षा एवं संस्कृति पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का प्रभाव

नीतू, शोधार्थी, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक राजस्थान
प्रो. कविता मित्तल, प्रोफेसर, शिक्षा संकाय, वनस्थली विद्यापीठ, टोंक राजस्थान

सार

शिक्षा और संस्कृति पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का प्रभाव समकालीन समाज में एक परिवर्तनकारी शक्ति बन गया है। यह यह शोधपत्र आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दोहरे प्रभाव की पड़ताल करता है, इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस किस तरह से शैक्षिक प्रथाओं और व्यापक सांस्कृतिक निहितार्थों को नया रूप देता है। शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेस व्यक्तिगत सीखने को बढ़ाता है. प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करता है, और शिक्षण और सीखने दोनों के लिए अभिनव उपकरण प्रदान करता है। हालाँकि, ये प्रगति समानता, डेटा गोपनीयता और मानव शिक्षकों की भूमिका से संबधित चिंताओं को जन्म देती है। सस्कृति के संदर्भ में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस रचनात्मक उद्योगों, मनोरजन और संचार को प्रभावित कर रहा है, कलात्मक अभिव्यक्ति, सामग्री निर्माण और बातचीत के नए रूपों को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की व्यापक उपस्थिति पारंपरिक सास्कृतिक मानदडों को चुनौती देती है और स्वायत्तता, निगरानी और एल्गोरिथम पूर्वाग्रह के बारे में नए नैतिक विचारों को पेश करती है। यह पेपर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एकीकरण के समावित लामों और जोखिमों दोनों की जांच करता है, मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक विविधता की सुरक्षा करते हुए इसके प्रभाव को अनुकूलित करने के लिए रणनीतियों का सुझाव देता है। अतत, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रमाय डिजिटल युग में शिक्षा और सस्कृति को फिर से परिभाषित करने, एक समावेशी, अनुकूली और नैतिक भविष्य को बढ़ावा देने का अवसर प्रस्तुत करता है

महत्वपूर्ण बिन्दु शिक्षा, संस्कृति, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI)